

Shri Ravindra Jain

Shri Ravindra Jain, a renowned music maestro, is known for his enormous contribution in the field of music, art and literature.

2. Born on February 28, 1944 in Aligarh, Shri Jain passed "Sangit Prabhakar" from Prayag Sangit Samiti Allahabad. Although born with visual impairment, he had inborn natural amazing talent. He has command over multiple languages which includes Hindi, English, Sanskrit, Urdu, Bengali, Arabic and has also worked in several other languages. He started his professional music career from Kolkata and continued in Mumbai by getting associated with leading film makers and directors. The first bollywood movie released was "Kaanch aur Heera". This started the superlative journey of the music maestro with back to back musical hits like Saudagar,Chor Machaye Shor, Geet Gata Chal, Fakira, Chitchor, Ankhiyon Ke Jharokho Se, Nadiya Ke Paar, Ram Teri Ganga Maili, Heena, Vivah to name a few.

3. Shri Jain has given music scores and lyrics to above 200 movies. He has to his credit rendering of music & lyrics in the first most popular mythological television serial Ramayan apart from other equally famous serials like Jai Shree Krishna, Jai Hanuman, Sai Baba and many more. His style of music endeavors to bridge many a gap at once, pulling together the mythical, the classical and modern, the folk and the contemporary.

4. During his musical journey, Shri Jain has sung with various legendary singers like Mohd. Rafi, Kishore Kumar, Mukesh,Lata Mangeshkar, Asha Bhonsle etc. He is also working with the contemporary singers like Kavita Krishnamurti, Sadhana Sargam, Udit Narayan, Roopkumar Rathod, Sonu Nigam, Shaan, Javed Ali, Shreya Ghoshal, Sunidhi Chauhan etc. He is credited to have discovered and promoted new talents/singers of the stature of Arati Mukharji, Hemlata, Jaspal Singh, Yeshudas and Suresh Wadkar.

5. Shri Jain has authored his autobiography titled 'Sunehre Pal' and Collection of Gazals 'Dil Ki Nazar Se'. He has characterised Ram Charitra in simple poetry form published as "Ravindra Ramayana". He has also translated "Holy Bhagvat Gita" from Sanskrit to poetic Hindi and "Holy Quran Shareef' in poetic form from Arabic language to Urdu. He has written, composed and sang many bhajans on Jainism and on Poet Tirthankar Mahavir's life. He continues to share his knowledge and expertise by teaching the new talent and guiding research scholars for their Ph.D. work. Through Ravindra Jain Academy of Music and Fine Arts Charitable Trust, he is exploring and nurturing the hidden musical talent of the youth. He continues his musical journey globally and in India through multiple live shows, spreading the feeling of happiness and brotherhood.

6. Shri Jain has received various honours and awards including "Filmfare Award", " Sahitya Academy Award", "Dada Sahib Phalke", "Sur Singar", Lata Mangeshkar (Madhya Pradesh And Maharashtra Government), Amir Khusro, Swami Haridas, Priyadarshini, Sangeet Gyaneshwar and Sangeet Samrat award and U.P. Governments most prestigious award "Yash Bharti" etc. Recently Shri Jain's immense contribution has been acknowledged by the Teerthanker Mahaveer University by bestowing the degree of Doctor of Philosophy on him.



श्री रवीन्द्र जैन

श्री रवीन्द्र जैन, एक विख्यात संगीतज्ञ और संगीत-आचार्य हैं। आप संगीत, कला और साहित्य के क्षेत्र में अपने अत्यंत उल्लेखनीय और असीम योगदान के फलस्वरूप, व्यापक रूप से जाने-माने जाते हैं।

2. आपका जन्म फरवरी 28, 1944 को अलीगढ़ में हुआ। आप, प्राज्ञ संगीत समिति, इलाहाबाद से "संगीत प्रभाकर" में उत्तीर्ण हुए। यद्यपि आप जन्म से ही दृष्टि-हीनता से ग्रस्त हैं, तथापि आप सहजात, नैसर्गिक और विस्मयकारी प्रतिभा से संपन्न हैं। आपका अनेक भाषाओं पर उल्लेखनीय अधिकार है, जिनमें हिंदी, अंग्रेज़ी, संस्कृत, उर्दू, बंग्ला, अरबी शामिल हैं। आपने कई अन्य भाषाओं में भी काम किया है। आपने अपना व्यावसायिक संगीत से संबंधित कॅरिअॅर, कोलकाता में शुरू किया और मुम्बई में प्रमुख फिल्म-निर्माताओं और निर्देशकों से जुड़कर आपने इसे जारी रखा। आपकी संगीत-रचना से परिपूर्ण पहली बॉलीवुड फिल्म "कांच और हीरा" जारी हुई। इसी से, विख्यात संगीतज्ञ और संगीत-आचार्य के रूप में आपकी सर्वश्रेष्ठ संगीत-यात्रा शुरू हुई, जिसमें आपके संगीत से सजी सौदागर, चोर मचाए शोर, गीत गाता चल, फ़कीरा, अंखियों के झरोखे से, नदिया के पार, राम तेरी गंगा मैली, हिना, विवाह जैसी कुछ विशेष उल्लेखनीय फिल्में आपके मनमोहक संगीत के फलस्वरूप, लगातार शानदार कामयाबी की मंजिल तय करती रहीं।

3. आपने 200 से ज़्यादा फिल्मों के लिए संगीत और गीतों की रचना की है। आपको पहले सबसे ज़्यादा लोकप्रिय पौराणिक दूरदर्शन धारावाहिक 'रामायण' में अपने संगीत और गीतों का महत्वपूर्ण योगदान करने का श्रेय हासिल है। इसके अलावा, आपने अन्य समान रूप से प्रसिद्ध जय श्रीकृष्ण, जय हनुमान, सांई बाबा जैसे और कई अन्य दूरदर्शन धारावाहिकों में अपने संगीत की छाप छोड़ी है। आपकी संगीत-शैली, पौराणिक, शास्त्रीय, आधुनिक, लोक (आंचलिक) और सम-सामयिक को साथ लाकर, एक बार में ही कई अंतरालों को पाटने का प्रयास करती है।

4. आपने अपनी संगीत-यात्रा के दौरान, मोहम्मद रफ़ी, किशोर कुमार, मुकेश, लता मंगेशकर, आशा भोंसले इत्यादि जैसी कई प्रतिष्ठित और लोकप्रिय गायक विभूतियों के साथ गाया है। आप कविता कृष्णमूर्ति, साधना सरगम, उदित नारायण, रूप कुमार राठौड़, सोनू निगम, शान, जावेद अली, श्रेया घोषाल, सुनिधि चौहान इत्यादि जैसे कई सम-सामयिक गायकों के साथ भी काम कर रहे हैं। आपको आरती मुखर्जी, हेमलता, जसपाल सिंह, यसुदास और सुरेश वाडकर के उल्लेखनीय क़द और स्तर की नई प्रतिभाओं और गायकों को खोज निकालने और उन्हें बढ़ावा देने का श्रेय हासिल है।

5. आपने 'सुनहरे पल' शीर्षक से अपनी आत्म–कथा लिखी है और 'दिल की नज़र से' नाम का ग़जलों का संग्रह तैयार किया है। आपने "रवीन्द्र रामायण" के रूप में प्रकाशित अपनी कृति में सरल काव्य में राम के चरित्र का अंकन किया है। आपने पवित्र भगवद्गीता का संस्कृत से हिंदी में काव्यात्मक अनुवाद और पाक क़ुरान शरीफ़ का अरबी भाषा से उर्दू में काव्यात्मक अनुवाद भी किया है। आपने जैन धर्म के बारे में और कवि तीर्थंकर महावीर जी के जीवन के बारे में कई भजन लिखे हैं, उनकी संगीत-रचना की है और उन्हें गाया है। आप नए प्रतिभावान व्यक्तियों को पढ़ाकर और शोध-छात्रों का उनके पीएच.डी. से संबंधित काम में मार्गदर्शन करके, अपने ज्ञान और विशेषज्ञता को साझा करना जारी रखे हुए हैं। आप अपने लाइव शोज के ज़रिए तथा खुशी और भाई-चारे की भावना का प्रसार करके, वैश्विक रूप से एवं भारत में अपनी संगीत-यात्रा क़ायम रखे हुए हैं।

6. आपको कई सम्मानों और पुरस्कारों से विभूषित किया गया है, जिनमें "फिल्म फेयर अॅवॉर्ड", "साहित्य अकादमी पुरस्कार", "दादा साहब फाल्के पुरस्कार", "सुर सिंगार पुरस्कार", मध्य प्रदेश सरकार और महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रदत्त लता मंगेशकर पुरस्कार, अमीर खुसरो पुरस्कार, स्वामी हरिदास पुरस्कार, प्रियदर्शिनी पुरस्कार, संगीत ज्ञानेश्वर पुरस्कार और संगीत सम्राट पुरस्कार तथा उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा प्रदत्त सर्वाधिक प्रतिष्ठित पुरस्कार "यश भारती" पुरस्कार इत्यादि शामिल हैं। हाल ही में तीर्थंकर महावीर विश्वविद्यालय द्वारा आपके असीम योगदान की क़द्र करते हुए, आपको डॉक्टर ऑव फिलॉसॅफी की उपाधि प्रदान करके सम्मानित किया गया है।